शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा दिनांक 6 से 8 मार्च 2019 तक वन विज्ञान केंद्र, राजकोट, गुजरात के अंतर्गत वन विभाग गुजरात के फील्ड फंक्सनरीज़ एवं किसानों के लिए गांधीनगर, गुजरात में "वानिकी में नवीन तकनीक" विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

वन विज्ञान केंद्र, राजकोट, गुजरात के अंतर्गत, वन विभाग गुजरात के फील्ड फंक्सनरीज़ एवं किसानों के लिए गांधीनगर गुजरात में "वानिकी में नवीन तकनीक " विषय पर शुष्क वन अनुसंधान संस्थान , जोधपुर द्वारा दिनांक 6 से 8 मार्च 2019 तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें किसानों एवं गुजरात वन विभाग के वनपाल एवं वन रक्षकों सहित कुल 41 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए डॉ. संजीव त्यागी भा.व.से. , अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (शोध एवं प्रशिक्षण), गुजरात ने बताया कि वानिकी में तकनीक से किसानों को लाभ होता है। उन्होंने सागवान की स्टम्प तकनीक, वट वृक्ष, फाइकस प्रजाति, यूकेलिप्टस, टिश्यू कल्चर इत्यादि का जिक्र करते हुए बताया कि प्रगतिशील किसान के पास नवीन तकनीक पहले पहुँच जाती है। श्री त्यागी ने नवीन तकनीक प्रसार के लिए कहा कि जो नवीन तकनीक वैज्ञानिक बताएं उसे आगे बढ़ाना है। विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, श्री महेश सिंह , भा.व.से. (मेनेजिंग डायरेक्टर , यू.जी.वी.सी.एल.) ने ऊसर भूमि आदि का जिक्र करते हुए कहा कि वानिकी एवं वनीकरण से कृषि आय में बढ़ोतरी होती है। उन्होंने जैविक खेती की चर्चा करते हुए वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोत सौर ऊर्जा के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि तकनीक का जमाना है , तकनीक को अपनाएँ। संस्थान के निदेशक श्री मानाराम बालोच भा.व.से. ने संस्थान के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान क्या अनुसंधान कर रही है उसे सरल भाषा में समझाएँगे। संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. जी. सिंह ने कहा कि पुरातन समय से ही वन हमारे लिए उपयोगी रहे है एवं आधुनिक समय में जलवायु परिवर्तन एवं मरुस्थलीकरण के संदर्भ में वानिकी का और भी ज्यादा महत्व हो गया है। उन्होंने कहा कि अब वानिकी का दायरा बढ़ गया है , अब इसे विभिन्न उत्पाद के रूप में भी देखते हैं जिससे ज्यादा से ज्यादा फायदा ले सकते हैं, इसके चलते नई तकनीकें विकसित हो रही है। इससे पूर्व विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी भा.व.से. ने प्रशिक्षण की विषय-वस्तु , वन विज्ञान केंद्र के उद्देश्य (सभी तरह का वानिकी अनुसंधान पणधारियों (stakeholders) तक पहुंचे) , वन विज्ञान केंद्र एवं कृषि विज्ञान केंद्र के जुड़ाव (Linking) की जानकारी दी। विस्तार प्रभाग के सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी डॉ. बिलास सिंह ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए धन्यवाद ज्ञपित किया।

तकनीकी सत्र में सर्वप्रथम डॉ. जी. सिंह , वैज्ञानिक आफरी ने "पौधारोपण में मृदा एवं जल संरक्षण" विषय पर पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से व्याख्यान दिया। इसके बाद निदेशक श्री मानाराम बालोच ने "संयुक्त वन प्रबंधन से वानिकी संरक्षण " विषय पर पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण द्वारा व्याख्यान दिया। डॉ. ध्रुव कुमार

मिश्रा, सेवानिवृत्त वैज्ञानिक , आफरी , जोधपुर ने "वृक्ष प्रजातियों के बीज संग्रहण एवं उपचार " विषय पर व्याख्यान दिया तथा डॉ. जी. सिंह ने "वृक्षारोपण तकनीक" विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रशिक्षण के दूसरे दिन प्रशिक्षणार्थियों को फील्ड भ्रमण पर ले जाया गया । सर्वप्रथम गुजरात वन विभाग के लेकावाड़ा अनुसंधान क्षेत्र पर बीज स्टोर एवं विभिन्न प्रकार के फील्ड ट्रायल , टिश्यू कल्चर से सागवान , मिलिया डूबिया, बहेड़ा, अर्जुन, अरडु इत्यादि की जानकारी दी गयी । श्री भरत सोलंकी , सहायक वन संरक्षक,

अनुसंधान गांधीनगर ने सीड स्टोर एवं विभिन्न प्रकार के क्षेत्र ट्रायल , सागवान, मिलिया डूबिया, बहेड़ा, अर्जुन, अरडु इत्यादि की जानकारी दी गयी । विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी ने लीफ़ लिटर (leaf litter), हयूमस (Humus), वृक्ष वृद्धि के विभिन्न चरण (सीडलिंग , सेपलिंग, पोल,, विभिन्न वानिकी तकनीकी शब्दावली, ग्राउंड फ्लोरा (Ground Flora), मिडिल स्टोरी (Middle Storey), टॉप केनोपी (Top Canopy) आदि की जानकारी दी। विस्तार प्रभाग के सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी डॉ. बिलास सिंह ने वृक्ष मापन (Tree Measurement) की जानकारी दी।

इसके पश्चात प्रशिक्षणार्थियों को बासन अनुसंधान केंद्र का भ्रमण कराया गया जहां श्री वैभव हरेजा, रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर, अनुसंधान रेंज , गांधीनगर ने अनुसंधान केंद्र के बारे में प्रारम्भिक जानकारी दी। इसके बाद प्रशिक्षणार्थियों ने अनुसंधान केंद्र स्थित नर्सरी से संबन्धित विभिन्न प्रक्रियाओं का अवलोकन किया। जिसमें बीज अंकुरण चेम्बर, मिस्ट चेम्बर, हाइड्रोबेड, कम्पोस्ट, मृदा का सोलराइज़ेशन (Solarization of soil), रूट ट्रेनर से कंटेनर में शिफ्टिंग इत्यादि प्रक्रियाओं तथा यूकेलिप्टस के क्लोनल प्रोपोगेशन की जानकारी भ्रमण के दौरान सहायक वन संरक्षक श्री भरत सोलंकी , रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर श्री वैभव हरेजा एवं वनपाल श्री भागीरथ सोलंकी ने दी।

इसके बाद प्रशिक्षणार्थियों ने अरडु, यूकेलिप्टस तथा रोहिडा के फील्ड-ट्रायल का भी अवलोकन किया । भ्रमण के दौरान विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी भा.व.से.तथा सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी डॉ. बिलास सिंह भी साथ रहे। प्रशिक्षणार्थियों को "पुनीत वन" गांधीनगर का भी भ्रमण कराया गया।

भ्रमण कार्यक्रम में विस्तार प्रभाग के श्री महिपाल विशनोई , तकनीकी अधिकारी , श्री धानाराम तकनीकी अधिकारी एवं श्री तेजाराम का सहयोग रहा।

प्रशिक्षण के तीसरे दिन तकनीकी सत्र में सर्वप्रथम डॉ. बिलास सिंह, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, आफरी, जोधपुर ने "उन्नत कृषि वानिकी प्रणाली एवं उसके लाभ " विषय पर संभाषण दिया। इसके बाद गुजरात वन विभाग के सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री आर.एल. मीना (सेवानिवृत्त , भा.व.से.) ने "पौधशाला तकनीकी एवं वृक्ष खेती" विषय पर संभाषण दिया। वन विभाग, गुजरात के मुख्य वन संरक्षक, श्री ए. पी. सिंह भा.व.से. ने " औषधीय पौधों की गुजरात में खेती " विषय पर संभाषण दिया। श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. प्रभागाध्यक्ष, विस्तार प्रभाग ने "सतत विकास उद्देश्य " (Sustainable Development Goals) पर संभाषण दिया।

इसके बाद प्रतिभागियों से फीड-बेक प्राप्त किया गया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि श्री आर. एल. मीना , भा.व.से (सेवानिवृत्त), सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, गुजरात वन विभाग ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रशिक्षण की केरियर के लिए जरूरत है , प्रशिक्षण में जो कुछ सीखो उसको अमल में लाओ। श्री मीना ने पर्यावरण की सेवा को बड़ी सेवा बताते हुए कहा कि तकनीक सीखो, उसे व्यवहार में लाने (execute करने) की

कोशिश करो, अनुसंधान से हम लोग बहुत सीखते हैं। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों का आहवान किया की जो सीखा है, उसको काम में लाओ, भविष्य में अच्छा काम करो ।

इस अवसर पर संस्थान निदेशक श्री मानाराम बालोच , भा.व.से. ने कहा कि किसानों को रीसर्च फील्ड में जिसकी जरूरत है, बताई जाये। श्री बालोच ने अनुसंधान विंग वन विभाग, गुजरात सहित प्रशिक्षण में सहयोग-कर्ताओं का धन्यवाद किया। श्री भरत सोलंकी, सहायक वन संरक्षक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण ने भी प्रशिक्षण में सीखी हुई बातों को अमल में लाने का आहवान किया। इससे पूर्व विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी भा.व.से. ने तीन दिवसीय कार्यक्रम में ली गयी गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। विस्तार प्रभाग के सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी डॉ. बिलास सिंह ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए धन्यवाद ज्ञपित किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री महिपाल बिशनोई , तकनीकी अधिकारी श्री धानाराम , तकनीकी अधिकारी एवं श्री तेजाराम का सहयोग रहा।